अजय शंकर पाण्डेय
आई.ए.एस.

जिलाधिकारी, गाजियाबाद
कार्या : 0120-2824416
निवास : 0120-2820106
✆ : 0120-2821616
फैक्स : 0120-2828798

हमारी वर्तमान पीढ़ी परम सौभाग्यशाली है कि हमें राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी की 150वीं वर्षगांठ मनाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। हालाकि प्रत्येक वर्ष 02 अक्तूबर को हम सब महात्मा गॉधी का जन्म दिवस मनाते है, परन्तु वर्ष 2019 बापू के जन्म का 150वां वर्ष है। इसलिए इसे वर्षभर मनाने का निर्णय लिया गया है। आशय यह है कि महात्मा गॉधी को हम 02 अक्तूबर, 15 अगस्त और 26 जनवरी के राष्ट्रीय पर्वो पर ही याद करने वाला व्यक्ति न बनाकर उन्हें वर्षभर हर दिन अपने दिलो दिमाग पर बसाये रखने का काम करें। बापू को याद रखते हुए हम प्रतिदिन अपने सरकारी कार्यो का निष्पादन करें। वर्षभर में महात्मा गॉधी जी की प्रासंगिता हमारी कार्यशाली में दिखाई दे।

जिला प्रशासन द्वारा महात्मा गॉधी जी की 150वीं वर्षगांठ को उसके मूलभूत उद्देश्यों तक पहुॅचाने के लिए **"बापू के लिए....."** – योजना की शुरूआत की जा रही है। इस योजना का सबसे प्रमुख बिन्दु यह है कि हम प्रतिदिन एक कार्य ऐसा करें, जो महात्मा गॉधी जी के आदर्शों, सोच और चिन्तन के अनुरूप हो। महात्मा गॉधी जी ने एक बार कहा था कि **"किसी भी कार्य को करने में यदि कोई भ्रम या संशय पैदा हो, तो एक काम कर लीजिये। आप अपने जीवन में आये सबसे पीड़ित, उपेक्षित, वंचित और समाज की पंक्ति में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को याद कर लीजिए। फिर आप आंकलन करें कि जो निर्णय आप लेने जा रहें है या जिस निर्णय पर आप हस्ताक्षर करने जा रहें है, उससे उस व्यक्ति का कितना भला हो रहा है। आपके इस निर्णय से उसकी आंखो के कितने आंसूओ की बूंद रूकेंगी। इस पृष्ठभूमि में निर्णय लेने में आपके सारे भ्रम और संशय दूर हो जायेंगे,और एक ईमानदार निर्णय पर आप पहुंच जायेंगे।"**

सरकारी तंत्र में हम सभी प्रतिदिन बहुत सारे सकारात्मक और अच्छे कार्य करते है, परन्तु आपको प्रतिदिन किये गये सबसे अच्छे काम की पहचान करनी होगी। आपको एक डायरी **"बापू के लिए"** नाम से अर्पित की जा रही है। आप हर दिन की समाप्ति पर डायरी के एक पन्ने पर दिन भर में किये गये सबसे अच्छे काम को लिखे। यदि आप विभागाध्यक्ष है, तो विभाग में जो सबसे अच्छा काम हुआ है, उनमें से एक को आप अपने पास मॅगाकर इस डायरी में अंकित करें। **"बापू के लिए"**– यह कार्य केवल डायरी में अच्छा काम लिखने तक ही सीमित नही हैं। प्रत्येक माह की समाप्ति के पश्चात अगले माह की 01 तारीख से 05 तारीख के बीच हर विभाग अपने–अपने एक सर्वोत्कृष्ट कार्य की कहानी मुझे प्रेषित करेंगे। सारे विभागों से प्राप्त एक–एक अच्छे काम का संकलन कराया जायेगा। संकलन में से कौन से अच्छे कार्य आदर्शस्वरूप है, उसका निर्णय एक समिति द्वारा लिया जायेगा। समिति द्वारा चयनित जनपद में ऐसे 30 अच्छे कामों को एक पत्रिका में प्रकाशित कराया जायेगा, जिसका नाम होगा **"बापू के लिए पत्रिका"** अच्छे कामो को चयनित करने के लिए एक समिति जिसमें वरिष्ठ अधिकारी/वरिष्ठ पत्रकार और एक गांधीवादी विचारक सम्मिलित होंगे।

यह संकलन प्रत्येक अगले मास की 08 तारीख को प्रकाशित होगा। यहॉ यह भी उल्लेखनीय है कि विभागीय अध्यक्ष अपने अधीनस्थ कार्य करने वाले हर कर्मचारी को इस प्रकार की एक डायरी अपने स्तर से उपलब्ध करायेंगे। वह इस डायरी के माध्यम से एक अच्छे कार्य की कहानी को अपने स्तर पर उत्कृष्ट मानते हुए समिति को संदर्भित करेंगे। मेरे द्वारा किसी भी विभाग की, किसी भी कर्मचारी की डायरी का आकस्मिक रूप से देखने की अपेक्षा

की जायेगी। मैं यहॉ यह भी उल्लेख करना चाहूँगा कि अगर डायरी के किसी तिथि के पन्ने पर उस दिन उस कर्मचारी ने कोई अच्छा कार्य अंकित नही किया तो यह माना जायेगा कि उसने जनहित में अपने पदीय दायित्वो को गंम्भीरता से नहीं लिया है, जिसे वह अच्छा कह सके। यदि हम एक दिन एक अच्छा काम करने का आत्मविश्वास नही रखते है ! ऊर्जा नहीं रखते है ! कमिटमेन्ट नहीं रखते ! तो हमे उस दिन सरकारी वेतन लेने का कोई अधिकार नही है।

गाजियाबाद जिला प्रशासन द्वारा महात्मा गॉधी जी की 150वीं वर्षगांठ को समाज के लिए सार्थक बनाने के लिए एक पहल की गयी है, जिसमें समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों का सहयोग वांछित है। यदि हम यह कार्य कर पाये, तो जिला प्रशासन गाजियाबाद की ओर से महात्मा गॉधी जी की 150वीं वर्षगांठ पर यह एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

डायरी आपके उपयोगार्थ संलग्न कर प्रेषित की जा रही है।

भवनिष्ठ

(अजय शंकर पाण्डेय)

_____

_____

_____